Yeshu ko paa liya

येशु को पा लिया, मुझे और क्या चाहिए (2)
येशु हैं पास जिसके, जीवन हैं पास उसके (2)
येशु में जीना मरना मुझे, और क्या चाहिए (2)

कहे करें गुमान हम, क्या जानते नहीं (2)
हम जड़ को नहीं मगर, जड़ हैं संभालती हमें (2)
फलती है शाखें येशु में और क्या चाहिए (2)

इमान हो अगर तो, दामन ही छूना काफी (2)
बीमारी होगी अच्छी, इतनी बड़ी मुआफी (2)
येशु में मिलती है शिफा, और क्या चाहिए (2)
येशु में जीना मरना मुझे, और क्या चाहिए (2)

कब से तलाश में रहा, मिल जाए शांति मुझे (2)
दुनिया जो दे सकी ना, येशु में मिलती है मुझे (2)
सब मर्ज की दवा मसीह, और क्या चाहिए (2)

येशु हैं पास जिसके, जीवन हैं पास उसके (2)
येशु में जीना मरना मुझे, और क्या चाहिए (2)